सांध्य दैनिक
4PM

अधिक से अधिक भोले, कम ज्ञानी और बच्चों की तरह बनिए। जीवन को मजे के रूप में लीजिये क्योंकि वास्तविकता में यही जीवन है

-ओशो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 23 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 23 फरवरी, 2022

लोकतंत्र के पर्व में बढ़-चढ़कर... 8 | खुलासा: पांचवें चरण के 27 फीसदी... 3 | भाजपा सरकार में बढ़ी महंगाई... 7

यूपी विधान सभा चुनाव : चौथे चरण का मतदान

महामुकाबले में उतरे मतदाता दिग्गजों ने डाले वोट

59 सीटों पर 624 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला

फोटोः सुमित कुमार

» सुबह से बूथों पर लगी लोगों की कतार

» लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व यूपी के कानून मंत्री बृजेश पाठक ने किया मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के चौथे चरण में नौ जिलों की 59 सीटों के लिए हुए मतदान के महामुकाबले में आज मतदाता बूथों पर उमड़े और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदाताओं ने चार मंत्रियों सहित 624 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला किया। इस चुनाव में कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, प्रदेश के कानून मंत्री बृजेश पाठक, बसपा प्रमुख मायावती समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया और अपनी पार्टी की जीत का दावा किया। कई स्थानों में ईवीएम में खराबी के कारण कुछ देर के लिए मतदान बाधित रहा।

यूपी में चौथे चरण के लिए लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, बांदा, फतेहपुर और पीलीभीत जिले में वोटिंग हुई। दोपहर एक बजे तक औसत 37.45 फीसदी मतदान हुआ। पीलीभीत में जहां मतदान तेजी से हुआ वहीं उन्नाव में धीमी रफ्तार से वोटिंग हुई। लखीमपुर में ईवीएम के बटन पर फेवीक्विक डालने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। लखनऊ में मोहनलालगंज के रामपुर में सपा पोलिंग एजेंट के बूथ के अंदर जाने पर हंगामा हो गया। इस दौरान पुलिस से नोक-झोंक हुई। वहीं नोएडा से भाजपा विधायक पंकज सिंह, और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ के पोलिंग बूथ पर वोट डाला। उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और उनकी पत्नी ने वोट डाला। दिनेश शर्मा ने कहा कि चौथे चरण के बाद भाजपा दोहरा शतक लगाएगी। मतदान से पूर्व कानून मंत्री बृजेश पाठक ने पूजा की जबकि सरोजनी नगर से भाजपा उम्मीदवार राजेश्वर सिंह ने लखनऊ के मां चंद्रिका देवी मंदिर में पूजा की। भाजपा उम्मीदवार अदिति सिंह ने रायबरेली के एक मतदान केंद्र में मतदान किया। वहीं मतदाता मतदान के बाद बाद सेल्फी लेते दिखे।

37.45 फीसदी मतदान दोपहर एक बजे तक

उन्नाव में कई जगह मतदान का बहिष्कार

उन्नाव जिले में कई स्थानों पर लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया है। अधिकारी ग्रामीणों को समझाते दिखे। मोहान विधानसभा के मिर्जापुर अजिगांव के ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। ग्रामीण सई नदी पर पुल न बनने से नाराज हैं।

लखनऊ में बढ़ती दिखी मतदान की रफ्तार

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के चौथे चरण में आज लखनऊ में मतदान शुरू हो गया। राजधानी के 38 लाख 4 हजार 114 मतदाता 9 विधान सभाओं के 109 प्रत्याशियों का भविष्य तय किया। पोलिंग बूथों पर सुबह छह बजे से मतदाताओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। लखनऊ में धीरे-धीरे मतदान की रफ्तार बढ़ती दिखी। सरोजनी नगर मलिहाबाद, बख्शी का तालाब और मोहनलालगंज में ईवीएम की खराबी के कारण कुछ देर तक मतदान बाधित रहा। हालांकि, प्रशासन ने तत्काल मशीनों को दुरुस्त करा कर वोटिंग शुरू कराई। सभी बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने शहर के मतदाताओं को अधिक से अधिक वोट करने की अपील की। लखनऊ में दोपहर एक बजे तक 35 फीसदी मतदान हुआ।

सपा ने की गड़बड़ी की शिकायत

सपा ने ट्वीट किया कि बांदा की नरैनी 234 विधान सभा के बूथ नंबर 271 पर वोट डालने पर भाजपा की पर्ची निकल रही है। चुनाव आयोग मामले का संज्ञान लेकर तत्काल कार्रवाई करें। इसके अलावा बूथ संख्या 73 पर बुजुर्ग मतदाताओं को जबरदस्ती भाजपा के निशान पर बटन दबाने के लिए कहा जा रहा है। इसके अलावा सपा ने पीलीभीत के बूथ नंबर 335 पर मतदाताओं को केंद्र से भगाने का भी आरोप लगाया है।

कई स्थानों पर ईवीएम खराब होने से मतदान रहा बाधित, सेल्फी लेते दिखे लोग

पांचवें चरण के चुनाव के बाद शून्य हो जाएगी भाजपा : अखिलेश

» सब कुछ बेच रही है भाजपा, गर्मी निकालने वाले अब ठंडे पड़ गए

» सपा गठबंधन की ऐतिहासिक बहुमत से बनेगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बहराइच में आयोजित जनसभा में भाजपा पर चुन-चुन कर वार किए। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चरणों में चुनाव आगे बढ़ रहा है उससे लग रहा है कि जनता सपा गठबंधन को समर्थन दे रही है। सभी चरणों में सपा को बढ़त मिली है। पहले दो चरण में ही सपा ने शतक लगा दिया है। आज दूसरा शतक भी सपा गठबंधन लगा देगा। जनता सपा गठबंधन की ऐतिहासिक बहुमत से सरकार बनाएगी।

उन्होंने कहा कि जनसैलाब देखकर भाजपा के नेता अदृश्य हो जाएंगे। ऐसा चुनाव पहली बार देखने को मिल रहा है जहां जनता चुनाव लड़ रही है। भाजपा नेताओं के घरों और गाड़ियों ने झंडे उतर गए हैं। जो कह रहे थे गर्मी निकाल देंगे उनके नेता और कार्यकर्ता सन्न हो गए। पांचवें चरण के चुनाव में भाजपा शून्य हो जाएगी। भाजपा का जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन किसी की आय दोगुनी नहीं हुई। खाद की बोरी से चोरी हो गयी। धान खरीद में लूट हुई। महंगाई बढ़ती गयी। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए। ये दोबारा आ गए तो पेट्रोल दो सौ रुपये लीटर बिकेगा। भाजपा सरकार सब कुछ बेच रही है। अब तो रेलगाड़ी भी बेच रहे हैं। यही नहीं उद्योगपति बैंकों का पैसा लेकर भाग गए।

मयंक जोशी की अखिलेश से मुलाकात के बाद टेंशन में भाजपा

» सांसद रीता बहुगुणा के बेटे मयंक सपा प्रत्याशी से भी कर रहे मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में आज राजधानी लखनऊ समेत नौ जिलों की 59 सीटों पर वोटिंग हो रही है। इसी बीच कल देर रात भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक जोशी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने खुद ट्वीट करके मयंक जोशी से मुलाकात की जानकारी दी है। फोटो भी शेयर किया है।

मयंक जोशी सपा प्रमुख से मुलाकात के तुरंत बाद ही पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा से भी मिलने पहुंचे। अभिषेक मिश्रा लखनऊ की सरोजनीनगर विधानसभा सीट से सपा के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। सपा प्रमुख अखिलेश ने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया है लेकिन चुनाव की पूर्व संध्या पर हुई इस मुलाकात के सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। कहा जा रहा है

कि अभी तीन चरणों के चुनाव बाकी है। ऐसे में मयंक भाजपा के वोट बैंक को सपा में तब्दील कर सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ इस मुलाकात के बाद भाजपा टेंशन में है। पदाधिकारी बताते हैं कि जल्द मयंक जोशी पर उच्च नेतृत्व कार्रवाई कर सकता है। गौरतलब है कि मयंक जोशी ने बीजेपी से टिकट के लिए भी आवेदन किया था। मयंक ने लखनऊ कैंट विधानसभा सीट से टिकट मांगा था, जहां से उनकी मां रीता बहुगुणा जोशी भी विधायक रही हैं। रीता बहुगुणा जोशी ने बेटे को टिकट मिलने पर लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने को तैयार रहने की भी बात कही थी लेकिन बीजेपी ने मयंक को टिकट नहीं दिया। बीजेपी से टिकट ना मिलने के बाद मयंक के सपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सपा ने लखनऊ कैंट की चुनावी रणभूमि में राजू गांधी को उतारकर मयंक के पार्टी में शामिल होने को लेकर अटकलों पर विराम लगा दिया था। अब मतदान से ठीक एक दिन पहले अखिलेश यादव और अभिषेक मिश्रा के साथ मयंक की तस्वीर को सपा की ओर से ब्राह्मण खासकर उत्तराखंडी वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

राजनाथ सिंह की रैली में लगे अखिलेश जिंदाबाद के नारे

बलिया में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की रैली में कुछ युवकों ने हंगामा किया। सेना भर्ती नहीं कराए जाने को लेकर नाराज इन युवकों ने नारेबाजी की। पहले तो रक्षामंत्री ने युवकों को कोरोना दलील देकर समझाने का प्रयास किया, लेकिन नहीं मानने पर यह भी कहा कि राजनीति से बात बिगड़ जाती है। इस दौरान युवक ने अखिलेश जिंदाबाद के नारे लगाए तो बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उसे पकड़ लिया। हालांकि राजनाथ सिंह ने मंच से उसे छोड़ देने की अपील की। बाद में पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। रक्षामंत्री ने कहा मैं समस्या को जानता हूं। कोरोना महामारी की वजह से ऐसा हुआ। पहली बार है जब हम इस तरह की समस्या का सामना कर रहे हैं। पूरी दुनिया भारत की तारीफ कर रही है, जिस तरह नरेंद्र मोदी ने इस हालात में काम किया।

चुनाव बाद कांग्रेस करेगी सपा से गठबंधन : खुर्शीद

» विचारधारा में मतभेद लेकिन आपसी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि उनकी पार्टी का समाजवादी पार्टी (एसपी) के साथ विचारधारा के स्तर पर मेल नहीं है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को सत्ता से बाहर रखने के लिए कांग्रेस सपा के साथ गठबंधन कर सकती है।

सलमान खुर्शीद ने यह बात ऐसे समय पर कही है जब कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी चुनाव बाद सपा के साथ गठबंधन को लेकर संकेत दे चुकी हैं। एएनआई से बात करते हुए खुर्शीद ने कहा सपा के साथ हमारे रिश्ते बहुत अच्छे नहीं हैं, क्योंकि गहरे वैचारिक मतभेद हैं। लेकिन बड़े फ्रेमवर्क के तहत हम बीजेपी को सत्ता से बाहर रखने को प्राथमिकता देंगे क्योंकि वे बेहद भयानक रहे हैं। उत्तर प्रदेश में चौथे चरण के मतदान के बीच खुर्शीद के बयान सेसंकेत मिलता है कि कांग्रेस त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में राज्य में चुनाव के बाद गठबंधन को तैयार है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के प्रचार पर खुर्शीद ने कहा हम राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए जोरदार तरीके से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि हमें यूपी में वाड्रा की ओर से बनाई गई नई रणनीतियों के प्रभाव को देखने के लिए इंतजार करने की जरूरत है। आज नहीं तो कल राजनीति उत्तर प्रदेश का चेहरा बदलने जा रहा है।

विरोध सिर्फ भाजपा की नीतियों से, नेताओं और उनके समर्थकों से नहीं : प्रियंका गांधी

» भाजपा समर्थकों ने की प्रियंका गांधी से मुलाकात, वायरल हुआ वीडियो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत के लिए हर संभव कोशिश करते हुए जहां नेता एक दूसरे के खिलाफ कटु शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक दूसरे को नीचा दिखाने का कोई मौका भी नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच एक सकारात्मक तस्वीर भी सामने आई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की रास्ते में भाजपा समर्थकों से मुलाकात हो गई।

प्रियंका ने ना सिर्फ उनसे हाथ मिलाया बल्कि प्रचार सामग्री भी दी। बीजेपी समर्थक भी प्रियंका के साथ

शालीनता से मिलते हुए नजर आए और लड़की हूं लड़ सकती हूं वाला ब्रेसलेट मांगा। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। कांग्रेस पार्टी ने भी इसे बेहद दुर्लभ तस्वीर बताते हुए वीडियो ट्वीट किया और लिखा राजनीति में ऐसी तस्वीरें दुर्लभ हैं- भाजपा की रैली से लौट रहे लोगों ने प्रियंका गांधी जी से घोषणा पत्र और लड़की हूं, लड़ सकती हूं की प्रचार सामग्री मांगी और साथ में सेल्फी ली। वीडियो से स्पष्ट है जनता को गर्मी और चर्बी निकालने वाले नहीं, भर्ती निकालने वाले चाहिए। पहले चरण के चुनाव से पहले पश्चिमी यूपी में एक रोड शो के दौरान प्रियंका गांधी की मुलाकात इसी तरह अखिलेश यादव और जंयत चौधरी से हुई थी। उस दौरान इन नेताओं ने एक दूसरे का अभिवादन किया था। मुलाकात की तस्वीरें वायरल हुईं।

प्रचंड बहुमत से बनेगी भाजपा सरकार : साक्षी महाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में आज चौथे चरण का मतदान जारी है। लखनऊ, सीतापुर, खीरी, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, बांदा, फतेहपुर और पीलीभीत जिले में आज वोटिंग हो रही है। वहीं, उन्नाव जिले में सांसद साक्षी महाराज गदन खेड़ा मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने पहुंचे। उन्होंने सभी से मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। सांसद साक्षी महाराज का दावा है कि प्रदेश में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी।

गदनखेड़ा मतदान केंद्र में वोट डालने के बाद सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा 2017 से ज्यादा सीटों पर जीत रही है। 2017 में योगी आदित्यनाथ को जो जनादेश मिला था, इस बार अपना रिकॉर्ड तोड़कर भारी बहुमत से सरकार बनाएंगे, हो सकता है 350 तक आंकड़ा चला जाए। प्रदेश में योगी फिर मुख्यमंत्री बनेंगे। सांसद ने कहा कि वैसे पूरे देश मे हिजाब पर प्रतिबंध लगना चाहिए। मालूम हो कि साक्षी महाराज उन्नाव से लगातार दूसरी बार सांसद हैं। कट्टर हिन्दुत्ववादी और अपने बयानों को लेकर वह अक्सर सुर्खियों में रहते हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पोस्टल बैलेट में कांग्रेस ने किया धांधली का दावा

» सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर मचाई खलबली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा चुनाव के लिए 14 फरवरी को हुए मतदान के बाद पोस्टल बैलेट के जरिए अभी भी मतदान का क्रम जारी है। ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत ने वीडियो जारी कर पोस्टल बैलेट में धांधली का आशंका जताई है। राज्य में मतदान खत्म होने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रतिनिधिमंडल निर्वाचन कार्यालय में एबसेंटी मतदाताओं और डाक मतपत्रों को लेकर अपनी शिकायत दर्ज करा चुका है।

इसके बाद पूर्व सीएम हरीश रावत ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया है, जिसमें किसी सैन्य कैंप में एक आदमी कई पोस्टल बैलेट पर हस्ताक्षर करते और एक पार्टी विशेष के प्रत्याशी के नाम के आगे टिक करता दिखाई दे रहा है। हरीश रावत ने निर्वाचन आयोग से इस वीडियो का संज्ञान लेने का आग्रह भी किया है। इस संबंध में उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर लिखा है कि एक छोटा सा वीडियो सबकी जानकारी के लिए वायरल कर रहा हूं। इसमें एक आर्मी के सेंटर में किस प्रकार से एक ही व्यक्ति सारे वोटों को टिक कर रहा है। यहां तक कि सभी लोगों के हस्ताक्षर भी वही कर रहा है। उसका एक नमूना देखिए, क्या इलेक्शन कमीशन इसका संज्ञान लेना चाहेगा। हालांकि, यह वीडियो कहां का है और कब बनाया गया है, यह जांच का विषय है। इसकी जानकारी हरीश रावत ने भी नहीं दी है।

कांग्रेस को मिलेगा भारी बहुमत : हरीश रावत

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने प्रदेश में कांग्रेस को भारी बहुमत मिलने का दावा दोहराने के साथ ही अन्य लोकतांत्रिक दलों को साथ लेकर चलने के राजनीतिक सौहार्द का विश्वास भी दिलाया। मतदान के बाद मिल रहे रुझान से कांग्रेस उत्साहित है तो कांग्रेस के प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री 10 मार्च को परिणाम आने से पहले ही जश्न के अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 70 में से 60 विधानसभा सीटों पर मिले फीडबैक के आधार पर उन्हें 48 से ज्यादा सीट आने की उम्मीद है।

खुलासा : पांचवें चरण के 27 फीसदी प्रत्याशी दागी तो 36 फीसदी करोड़पति

» एडीआर ने शपथ पत्रों के विश्लेषण पर आधारित जारी की रिपोर्ट

» इस चरण में महिला प्रत्याशियों की संख्या घटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के पांचवें चरण में 27 फीसदी दागी प्रत्याशी हैं। वहीं करोड़पतियों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुई है। इस चरण में महिला प्रत्याशियों की संख्या घट गई है। इस चरण में केवल 13 फीसदी महिला प्रत्याशी हैं। उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म ने पांचवें चरण के शपथपत्रों के विश्लेषण पर आधारित रिपोर्ट जारी कर दी है।

करोड़पति उम्मीदवारों में तिलोई सीट के प्रत्याशी मयंकेश्वर शरण सिंह अव्वल हैं। इस चरण में 693 प्रत्याशी 61 विधान सभा सीटों से खड़े हैं। इनमें 8 उम्मीदवारों का शपथपत्र स्पष्ट न होने के कारण विश्लेषण नहीं किया गया। दागी प्रत्याशिों की बात करें तो इस चरण में भी चौथे चरण की तरह 27 फीसदी दागी उम्मीदवार हैं। 685 में से 185 प्रत्याशी दागी हैं। वहीं इनमें 141 पर गंभीर मामले दर्ज हैं।

करोड़पति उम्मीदवारों को लेकर भाजपा अव्वल

इस चरण में 685 में से 246 (36फीसदी) करोड़पति उम्मीदवार हैं। यदि दलों की बात करें तो भाजपा के सबसे ज्यादा प्रत्याशी करोड़पति हैं। भाजपा के 52 में से 47 (90फीसदी), अपना दल सोनेलाल के 7 में से 6 (86फीसदी), सपा के 59 में से 49 (83फीसदी), बसपा के 61 में से 44 (72फीसदी), कांग्रेस के 61 में से 30 (49फीसदी) और आम आदमी पार्टी के 52 में से 11 (21फीसदी) उम्मीदवार करोड़पति हैं। पांचवें चरण में उम्मीदवारों की औसतन संपत्ति 2.48 करोड़ रुपये है।

करोड़पति प्रत्याशी

नाम	सीट	दल	सम्पति
मयंकेश्वर शरण सिंह	तिलोई	भाजपा	58 करोड़ रुपये
सिंधुजा मिश्र सेनानी	कुंडा	भाजपा	52 करोड़ रुपये
डॉ. संजय सेनानी	अमेठी	भाजपा	50 करोड़ रुपये
प्रवीन पटेल	फूलपुर	भाजपा	40 करोड़ रुपये
नंद गोपाल गुप्ता	इलाहाबाद	भाजपा	37 करोड़ रुपये
नागेन्द्र प्रताप सिंह	चैल	अपना दल	सो. 34 करोड़ रुपये
आराधना मिश्र मोना	रामपुर खास	कांग्रेस	34 करोड़ रुपये
सिद्धार्थ नाथ सिंह	इलाहाबाद	भाजपा	32 करोड़ रुपये
बकाउल्ला	कैसरगंज	बसपा	31 करोड़ रुपये
राम किशोर	राम नगर	बसपा	29 करोड़ रुपये

शैक्षिक योग्यता	प्रत्याशियों की संख्या
कक्षा 5 से 12	231
स्नातक या इससे ऊपर	407
डिप्लोमा	2
साक्षर	32
निरक्षर	6
नहीं पता	7

69 प्रत्याशी 60 साल से ऊपर

उम्र	प्रत्याशियों की संख्या
25 से 40	248 प्रत्याशी
41 से 60	368 प्रत्याशी
60 से ऊपर	69 प्रत्याशी

सभी दलों में हैं दागी प्रत्याशी

सभी दलों में दागी प्रत्याशी हैं। सपा में 59 में से 42 (71 फीसदी) प्रत्याशी दागी हैं। वहीं भाजपा के 52 में से 25 (48 फीसदी), बसपा के 61 में से 23 (38 फीसदी), कांग्रेस के 61 में से 23 (38 फीसदी), अपना दल सोनेलाल के 7 में से 4 और आम आदमी पार्टी के 52 में से 10 प्रत्याशी दागी हैं। एक उम्मीदवार ने अपने ऊपर बलात्कार (आईपीसी-376) से जुड़ा मामला घोषित किया है। 8 उम्मीदवारों पर हत्या (आईपीसी-302) और 31 उम्मीदवारों ने हत्या का प्रयास (आईपीसी-307) से संबंधित मामले घोषित किए हैं। इस चरण में 61 में से 39 निर्वाचन क्षेत्र संवेदनशील हैं जहां तीन या इससे ज्यादा दागी प्रत्याशी मैदान में हैं।

पूर्वांचल में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को धार देगी भाजपा, बनाई प्रचार की रणनीति

» आतंकवाद और माफिया का मुद्दा भी गर्म करेगा सियासी माहौल

» शाह ने बनायी रणनीति, पीएम मोदी भी काशी में डालेंगे डेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा में पूर्वांचल की जंग जीतने के लिए अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कमान संभाल ली है। शाह वाराणसी पहुंचे और अगले चरणों के लिए भाजपा के प्रचार की रणनीति बनाई। पार्टी पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठक कर शाह ने विपक्ष के खिलाफ चक्रव्यूह रचना की। यहां भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को धार देगी। फरवरी के अंतिम सप्ताह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद अपने संसदीय क्षेत्र काशी से पूर्वांचल का मोर्चा संभालेंगे। पूरी पार्टी आतंकवाद, माफियाराज जैसे मुद्दों पर खास तौर पर सपा को घेरने में जुटेगी।

शाह ने पदाधिकारियों से पूर्वांचल में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को मुद्दा बनाने और पिछली सरकारों में माफियाओं के आतंक की याद दिलाने की योजना पर आगे बढ़ने का निर्देश दिया। यह भी तय हुआ कि भाजपा नेता अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर, वाराणसी के भव्य काशी विश्वनाथ धाम और मिर्जापुर के मां विंध्यवासिनी धाम पर भाजपा के निर्णय को लेकर जनता के बीच जाएं। वहीं आजमगढ़ में मतदान से पहले माफियाओं पर हुई कार्रवाई को लेकर भाजपा जनता के बीच जाएगी। इसमें अहमदाबाद के सीरियल ब्लास्ट के दोषी आजमगढ़ निवासी आतंकी परिवार के सपा कनेक्शन को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान चलाया जाएगा। पार्टी के दिग्गजों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के क्षेत्र कौशाम्बी में चुनाव है, जहां से सीएम-डिप्टी सीएम खुद चुनाव मैदान में उतरे हैं। ऐसे में यहां भाजपा बड़े अंतर से जीत दर्ज करना चाहती है। प्रधानमंत्री भी प्रदेश में डेरा डालेंगे। अभी तो प्रधानमंत्री अलग-अलग जिलों में जनसभाएं करने आ रहे हैं लेकिन छठवें और सातवें चरण के लिए वह तीन दिन तक काशी प्रवास करेंगे। वहीं से चुनाव अभियान की निगरानी के साथ ही खुद पूर्वांचल को मथेंगे। मुख्यमंत्री भी गोरखपुर पहुंचकर मोर्चे पर डटेंगे। पूर्वांचल में भाजपा को अपना पूर्व प्रदर्शन दोहराने की चुनौती है।

111 सीटों पर रैली व रोड शो

छठवें और सातवें चरण के मतदान में 11 सीटों पर भाजपा रैली व रोड शो के जरिए माहौल बनाएगी। इसमें प्रत्येक विधान सभा में अलग-अलग नेताओं की ओर से हर दिन दो से तीन रैली व रोड शो आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान तीन चरणों के मतदान का फीडबैक भी साझा किया गया।

जातीय समीकरणों को साधने की तैयारी

पूर्वांचल में सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर और सपा के अन्य सहयोगी दलों के असर की काट पर रणनीति बनाई गई। इसमें अलग-अलग जाति के नेताओं की सक्रियता बढ़ाने के साथ ही सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर और उनके बेटे अरविंद राजभर को उनकी विधान सभा में घेरने की तैयारी है।

काशी में क्लीन स्वीप का लक्ष्य

बैठक में शाह ने वाराणसी की आठों विधान सभा क्षेत्र का फीडबैक लिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में क्लीन स्वीप कर देश को संदेश देना है। टिकट के दावेदारों को प्रचार में सक्रिय किया जाए और सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से बूथ स्तर पर चर्चा कराई जाए। विधानसभा क्षेत्रों में कमजोरी को चिह्नित कर उस पर प्रभावी रणनीति बनाई जाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जहरीली शराब पर लगाम कब?

सवाल यह है कि सरकारी ठेके तक जहरीली शराब कैसे पहुंच रही है? आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन क्या कर रहा है? क्या बिना आबकारी विभाग की मिलीभगत के सरकारी ठेके पर जहरीली शराब का धंधा किया जा सकता है? आखिर कब तक कुछ छोटे कर्मचारियों को सस्पेंड कर सरकार अपना पल्ला झाड़ती रहेगी? इन मौतों का जिम्मेदार कौन है?

यूपी में पिछले कुछ सालों से जहरीली शराब से मरने वालों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। जहरीली शराब की पहुंच अब सरकारी ठेके तक हो चुकी है। आजमगढ़ में देसी ठेके से शराब खरीदकर पीने से आधा दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 39 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ठेके का लाइसेंस लेने वाले को गिरफ्तार किया गया है जबकि आबकारी विभाग के निरीक्षक व दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। सवाल यह है कि सरकारी ठेके तक जहरीली शराब कैसे पहुंच रही है? आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन क्या कर रहा है? क्या बिना आबकारी विभाग की मिलीभगत के सरकारी ठेके पर जहरीली शराब का धंधा किया जा सकता है? आखिर कब तक कुछ छोटे कर्मचारियों को सस्पेंड कर सरकार अपना पल्ला झाड़ती रहेगी? इन मौतों का जिम्मेदार कौन है? क्या लाइसेंस की आड़ में शराब माफिया लोगों को मौत बांट रहे हैं? लगातार हो रही मौतों के बावजूद इस पर लगाम लगाने के लिए ठोस रणनीति क्यों नहीं बनायी जा रही है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है?

सरकारी ठेके की शराब से होने वाली मौतों ने पूरे तंत्र पर सवालिया निशान लगा दिया है। शराब माफिया की पहुंच ठेकों तक हो चुकी है। देसी ठेके के ठेकेदार और माफिया की मिलीभगत से यह धंधा चल रहा है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता है कि इस धंधे की भनक स्थानीय आबकारी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को होती है। एक पूरा नेटवर्क काम कर रहा है। शराब माफिया कच्ची शराब यहां पहुंचाते हैं और देसी शराब के नाम पर मिलावटी शराब को बेचा जा रहा है। सच यह है कि प्रदेश के कई गांवों में कच्ची शराब की भट्ठियां धधक रही हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं आबकारी विभाग ऐसी शराब की नाममात्र की बरामदगी कर खानापूर्ति कर रही है जबकि स्थानीय पुलिस प्रशासन से लेकर आबकारी विभाग तक को कच्ची शराब की भट्ठियों के बारे में पूरी जानकारी होती है। विभागों में फैले भ्रष्टाचार के कारण शराब माफिया के हौसले बुलंद हैं। हां, बड़ी घटना के दौरान विभाग सक्रिय दिखता है और जैसे ही घटना ठंडी पड़ती है वे फिर उसी राह पर चल पड़ते हैं। लिहाजा आज तक शराब माफिया पर नकेल नहीं कसी जा सकी है और लोगों की मौत हो रही है। यदि सरकार जहरीली शराब पर लगाम लगाना चाहती है तो उसे सबसे पहले विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा और माफिया से मिलीभगत करने वाले कर्मचारियों को चिन्हित कर दंडित करना होगा। साथ ही शराब की लाइसेंस नीति व गुणवत्ता को फुल प्रूफ बनाना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मतदाता का गुणात्मक प्रशिक्षण जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

संविधान सभा में जब मतदान के अधिकार और चुनावों की चर्चा हो रही थी तो पूर्वी पंजाब से चुने हुए सदस्य ठाकुर दास भार्गव ने एक सुझाव रखा था, जिसे संविधान सभा में खारिज कर दिया गया था। उनका सुझाव था कि समान व वयस्क मतदान के अधिकार में एक शर्त जोड़ दी जानी चाहिए। वह शर्त थी साक्षरता की। तब भारत की जनसंख्या 33 करोड़ थी और संविधान सभा में अंदाजा लगाया गया था कि समान और वयस्क मतदाता के आधार पर तकरीबन 12 करोड़ मतदाता होंगे। ठाकुर दास भार्गव का सुझाव बेहतर होते हुए भी इसलिए गिर गया क्योंकि तब भारत की साक्षरता दर महज 12 फीसदी थी।

चुनाव-दर-चुनाव भारत में जाति, धर्म, क्षेत्र की बुनियाद लगातार मजबूत होती जा रही है। जाति, धर्म और क्षेत्र की संकुचित मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए अक्सर राजनीतिक दल सवालों के घेरे में रहते हैं। लेकिन इस सोच में ही बुनियादी खोट है। चाहे जिस भी पक्ष की राजनीति हो, वह महज दिखावे के लिए ही समाज सेवा रह गई है। वैसे व्यवस्था भी वैसी ही हो गई है इसलिए धर्म, राजनीति और क्षेत्र के संकुचित वाद को बढ़ावा देना और उसके जरिए सत्ता की आंख पर निशाना साधना राजनीतिक दलों की दिनचर्या हो गई है लेकिन अफसोस की बात यह है कि देश का बौद्धिक समाज और मीडिया भी चुनाव-दर-चुनाव इसी सोच के आधार पर बहसें करता है और राजनीतिक कदमों का समर्थन या विरोध करता है। लोकतंत्र की बुनियाद नागरिक हैं लेकिन दुर्भाग्यवश चुनाव को लेकर होने वाले विमर्शों में मतदाता को सिर्फ एक जरियाभर मान लिया गया है और उससे उम्मीद की जाती है कि वह जाति, धर्म और क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली राजनीति के साथ अपनी जाति, धर्म और क्षेत्रवादी सोच के साथ जुड़े और वोट दे। बेशक सर्वोच्च न्यायालय ने जाति और धर्म की खुलेआम चर्चा पर रोक लगा रखी है लेकिन इन पर भी चर्चा के लिए राजनीतिक दल प्रकारांतर से राह निकाल ही लेते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि जाति, धर्म और क्षेत्रवाद की घुट्टी पिए तंत्र से बनने वाली सरकार और उसकी बुनियाद समाज से ऐसे समानता आधारित समाज की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? स्पष्ट है कि चुने गये प्रतिनिधि या दल के सामने अपने बुनियादी मतदाता आधार की आकांक्षाओं को पूरा करने का दबाव हमेशा रहेगा। 2011 से चुनाव आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को मतदाता दिवस मनाया जाने लगा है।

पिछले कुछ चुनावों से चुनाव आयोग लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाता है। वह नामी लोक कलाकारों, फिल्म कलाकारों व नामी खिलाड़ियों को चुनाव का ब्रांड एंबेसडर घोषित करता है। इसके जरिए चुनाव आयोग मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने की कोशिश करता है। इसका असर भी हुआ है। मतदाता दिवस की घोषणा करते वक्त तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने इसका लक्ष्य 'समावेशी' और 'गुणात्मक भागीदारी' के साथ ही 'कोई मतदाता पीछे न छूटे' बताया था। लेकिन मतदान में गुणात्मक भागीदारी की बात पीछे छूटती रहती है। गुणात्मक भागीदारी के लिए पहली शर्त है कि मतदाता गुणवान हो। संविधान सभा के सदस्य ठाकुर दास भार्गव ने इसी गुणात्मकता की खोज में साक्षरता की शर्त का सुझाव दिया था। अव्वल तो होना यह चाहिए कि मतदाता दिवस पर मतदाताओं को ही गुणात्मक रूप से जागरूक बनाने पर जोर दिया जाता। मतदान में ज्यादा भागीदारी गुणात्मक मतदान की गारंटी नहीं है क्योंकि वोटिंग जाति, धर्म और क्षेत्रवाद की सोच पर ज्यादातर आधारित होती है। होना यह चाहिए कि मतदाताओं को गुणात्मक रूप से जागरूक बनाने के लिए लगातार और गहरी कोशिशें हों। मतदाताओं को यह बताने की कोशिश हो कि जाति, धर्म या क्षेत्रवाद जैसी संकुचित मानसिकता की बुनियाद पर वोट देने से संविधान के व्यापक उद्देश्यों को हासिल नहीं किया जा सकता। हर चुनाव की शुरुआत में हर राजनीतिक दल विकास पर वोट मांगने की बात करता है, लेकिन जैसे-जैसे चुनाव अभियान जोर पकड़ता है, आदर्श की ऐसी तमाम बातें किनारे होती जाती हैं। लेकिन सवाल यह है कि जब वोटर बिकना ही न चाहे, उसे राजनीतिक दल कैसे खरीद लेंगे। अगर वह प्रभावित नहीं होना चाहे तो दल या प्रत्याशी प्रभावित कर लेगा लेकिन ऐसा तभी हो सकेगा, जब मतदाताओं की सोच में गुणात्मक बदलाव लाया जाए। इसके लिए राजनीतिक दलों से उम्मीद बेमानी है क्योंकि इसी व्यवस्था में सभी अपने-अपने ढंग से मतदाताओं को लुभाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में चुनाव आयोग को चाहिए कि वह मतदाता को गुणात्मक स्तर पर प्रशिक्षित करने के लिए अभियान चलाए। तब शायद लोकतंत्र धरातल पर उतर सकेगा।

यूक्रेन मसला और हथियार कारोबार

प्रभु चावला

यदि कूटनीति अन्य साधनों के माध्यम से किया जानेवाला युद्ध है, तो युद्ध कपटपूर्ण साधनों से बड़ी कमाई करना है। जब कूटनीति असफल हो जाती है और राष्ट्रों के बीच युद्ध छिड़ जाता है तो हथियार कारोबारी, निर्माता और सरकार की ओर से माहौल बनाने वाले अंधेरे तहखाने से बाहर निकलते हैं और कमाई के लिए मौत की मशीनें बेचते हैं। उनकी कीमत अरबों में होती है और उसे दुख व मौत से चुकाया जाता है। अब जब तालिबान अपनी बंदूकों और विचारों के साथ लौट आये हैं। ऐसा लगता है कि कालाबाजारी से खरीदे गये हथियारों से लड़ा गया आतंक के विरुद्ध युद्ध थम-सा गया है। सरकारों, आतंकी इकाइयों, गुरिल्ला समूहों, अलग हुए गुटों तथा लड़ाकू गिरोहों तक पहुंच रखनेवाला हजारों मुंहों का दुनिया का बड़ा जीव हथियार लॉबी है और इन्हें आगे बढ़ानेवाले वही देश हैं, जो रोज कसमें खाते हैं कि कारोबार में रहना उनका कारोबार नहीं है।

साल 1939 के बाद पहली बार यूरोप को युद्ध की कगार पर लानेवाला रूस-यूक्रेन तनाव हथियार कारोबार से जुड़ा सबसे कपटी प्रकरण है। इसके खिलाड़ी रूस और अमेरिकानीत नाटो हैं। अधिकतर नाटो देशों में बड़ी हथियार कंपनियां हैं, जो ऐसे देशों को साजो-सामान निर्यात करती हैं, जिन्होंने न कभी युद्ध लड़ा है और न भविष्य में ऐसा होने की संभावना है। संघर्ष भौगोलिक सीमाएं बदल देता है और युद्ध साम्राज्य के धन को कई गुना बढ़ा देता है। युद्ध अर्थव्यवस्था बढ़ने का मुख्य कारण दुनियाभर में रक्षा खर्च में भारी बढ़त है, जिसके पीछे ब्लैकवाटर जैसी निजी लड़ाकू कंपनियां, सीआईए की गतिविधियां तथा अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की प्राकृतिक संपदा पर पश्चिमी कारोबारियों की गिद्ध दृष्टि है। हर सौ डॉलर की वैश्विक आय में से लगभग तीन डॉलर सैन्य मदों में खर्च होता है। महामारी के पहले साल में वैश्विक जीडीपी में 4.4 फीसदी के बावजूद देशों ने दो हजार अरब डॉलर सेना पर खर्च किया था। सैन्य खर्च के मामले में 2020 में अमेरिका और चीन के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा देश था। चीन और पाकिस्तान के साथ भारत का हमेशा से अघोषित शीत युद्ध रहा है, पर कारगिल के बाद इसका कोई संघर्ष नहीं हुआ है। फिर भी भारत का रक्षा व्यय लगभग 75 अरब डॉलर हो चुका है, जो 2016 में 56 अरब डॉलर था।

वैश्विक सैन्य खर्च में अमेरिका की 39 फीसदी, चीन की 13 फीसदी और भारत की 3.7 फीसदी हिस्सेदारी रही थी। इन आंकड़ों के साथ स्टॉकहोम स्थित संस्था सिपरी की रिपोर्ट में यह दिलचस्प तथ्य भी रेखांकित किया गया है कि एशियाई देशों द्वारा बीते एक दशक में लगभग 50 फीसदी हथियारों की खरीद हुई है, जिसमें चीन और भारत की बड़ी हिस्सेदारी है। ये देश सीधे युद्ध में भी शामिल नहीं है। खाड़ी देशों ने सैन्य साजो-सामान पर सौ अरब डॉलर से अधिक खर्च किया है। इनमें सबसे बड़े आयातक सऊदी अरब ने अपनी 70 फीसदी खरीद अमेरिका से की, जो इजरायल की 92 फीसदी और जापान की 95 फीसदी जरूरत को भी पूरा करता है। सैन्य खर्च में अजीब बढ़त की वजह वैचारिक या आर्थिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच असली लड़ाई से कहीं अधिक विक्टर बाउट जैसे मौत के सौदागर हैं। 2012 में अमेरिका में इसे 25 साल की कैद हुई थी। इसने अफ्रीकी समूहों को पुराने सोवियत जहाज व हथियार बेचा था। संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेजों के अनुसार, इसने हीरों के बदले लाइबेरिया के कुख्यात तानाशाह चार्ल्स टेलर को हथियार दिया था। बाउट ने जनसंहार करनेवाले मध्य व उत्तरी अफ्रीका के सरगनाओं के साथ अंगोला के गृहयुद्ध में दोनों खेमों को हथियारों की आपूर्ति की थी। बीते दो दशकों की सभी लड़ाइयों के साथ बाउट का संबंध रहा है। उस पर 2005 में 'लॉर्ड ऑफ वार' नामक फिल्म भी बन चुकी है। दुनिया के शीर्षस्थ सौ हथियार ठेकेदारों की सालाना आमदनी 400 अरब डॉलर है, जिसमें एक दशक से भी कम समय में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अब जब अमेरिकी और यूरोपीय नेता रूस के साथ जुबानी जंग कर रहे हैं, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि 'क्या यह सब शोर केवल हथियारों की खरीद को बढ़ाने के लिए है या यह महज संयोग है कि शीर्ष पश्चिमी नेता सचमुच यह मानते हैं कि कभी भी यूक्रेन पर हमला हो सकता है?' अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो दिन और समय भी बता दिया था जो गलत साबित हुए। यूरोपीय संघ अमेरिकी चिंताओं को आगे बढ़ाने में जुटा हुआ है। रूस और पश्चिम के लिए सैन्य संघर्ष बाजार के विस्तार का एक तरीका है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय युद्ध नहीं हुआ है लेकिन लोगों का जीवन बेहतर करने की बजाय युद्धों की भविष्यवाणी पर या युद्धोन्माद फैलाने पर बहुत अधिक समय और धन खर्च किया गया है। अमेरिका ने लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर अफगानिस्तान व पश्चिमी एशिया में युद्धों पर खरबों डॉलर खर्च किया है। अफगानिस्तान में वह जिन लोगों को खत्म करना चाहता था, उन्हीं के पास ढेर सारे हथियार और लड़ाकू जहाज छोड़कर अफगानिस्तान से उसे शर्मिंदगी के साथ पीछे हटना पड़ा। युद्ध और जनसंहार बहुत लाभप्रद व्यवसाय है। निजी सुरक्षा कंपनियां आतंकियों और छोटी सरकारों से लड़ने के लिए पूर्व सैनिकों को नियुक्त करते हैं। निजी सैन्य व सुरक्षा कंपनियों के बनाये समूहों को शोधकर्ता अदृश्य सेना की संज्ञा देते हैं. माना जाता है कि निजी सेनाओं का कारोबार 200 अरब डॉलर का है। कुल मिलाकर युद्ध ऐसा कारोबार है, जो कभी सोता नहीं है।

ड़ाके की ठंड के बाद गर्मियों की दस्तक का संकेत है। इस मौसम में खान-पान का सही ख्याल ना रखने के बहुत बुरे परिणाम हो सकते हैं। इसमें डीहाइड्रेशन, स्किन बर्न, फीवर और हीट स्ट्रोक आपकी मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। आइए आपको बताते हैं कि गर्मी के मौसम में आप कैसे अपनी सेहत का ख्याल रख सकते हैं । एक्सपर्ट कहते हैं कि गर्मियों में सीजनल डाइट फॉलो करना बहुत जरूरी होता है। इस मौसम में ताजे फल-सब्जियों का सेवन करें। इनमें सेहत को फायदा पहुंचाने वाले विटामिन, मिनरल, एन्जाइम्स, एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं। सीजनल फूड्स में हमारे शरीर की नैचुरल सफाई और उपचार करने की क्षमता भी होती है।

बदलते मौसम में खान पान का रखें ख्याल

बॉडी को हाइड्रेट रखना जरूरी

गर्मी में आपके शरीर को ऐसे खाने की जरूरत होती है जो पानी और इलेक्ट्रोलाइट से भरपूर हों। यानी एक ऐसी डाइट जो पूरे दिन हमारे एनर्जी लेवल को मेंटेन रख सके। इसके लिए आप अजवाइन, पालक, खीरा या सलाद जैसी चीजें खा सकते हैं। एक्सपर्ट मानते हैं कि गर्मी को सिर्फ हाइड्रेशन से हराया जा सकता है। इसलिए शरीर में पानी की कमी ना होने दें।

तेज धूप बढ़ाएगी मुश्किल

गर्मियों में बच्चे, बजुर्ग, एथलीट और धूप में काम करने वालों पर ज्यादा बुरा असर होता है। आग उगलती धूप से उनके शरीर में पानी और नमक की कमी हो सकती है, जिससे डीहाइड्रेशन, कैम्प, थकावट और लो ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ता है। इसलिए जरूरी है कि आप घर में रहते हुए बॉडी को हाइड्रेट रखें। दोपहर से शाम होने तक यानी दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर में रहने की कोशिश करें। एक्सपर्ट कहते हैं कि तापमान और गर्मी बढ़ने से हमारा शरीर तनाव में चला जाता है। ये चिड़चिड़ेपन, ध्यान भंग, अनिद्रा, स्किन सेंसिटिविटी और विटामिन-मिनरल की कमी को बढ़ावा दे सकता है।

क्या खाएं, क्या ना खाएं?

गर्मी के मौसम में शरीर को डीहाइड्रेशन से बचाने के लिए कैफीन, चाय, कॉफी या एल्कोहल के अतिरिक्त सेवन से बचें। बाजार में मिलने वाले पैकेटबंद शुगर मिक्स जूस से भी दूर रहें। ज्यादा नमक वाला खाना ना खाएं। मसालेदार, एसिडिक, ऑयली और हाई कैलोरी वाली चीजें खाने से बचें। इस मौसम में खाना आसानी से खराब हो जाता है, जिससे फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है। हाई प्रोटीन वाली चीजें खाने से बचें। अगर किसी वजह से आपको हाई प्रोटीन डाइट लेनी पड़ रही है तो दिन में 5 से 6 गिलास पानी पीकर उसे बैलेंस करने की कोशिश करें।

अगर आपसे सादा पानी नहीं पिया जा रहा है तो इसमें नींबू, संतरे के स्लाइस या पुदीने की पत्तियां डालकर पी सकते हैं। ये चीजें गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने का काम करती हैं। इसके अलावा आप नारियल पानी भी पी सकते हैं। पानी, हरी सब्जियां और फलों का सेवन ना सिर्फ आपकी बॉडी को हाइड्रेट रखेगा, बल्कि पर्याप्त एनेर्जी भी देगा। ऐसे कई फल और हरी सब्जियां हैं जिनमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है।

इसमें खीरा, तरबूज, संतरा, बंदगोभी, टमाटर, गाजर, हरी पत्तेदार सब्जियां, खरबूजा, स्ट्रॉबेरी और शिमला मिर्च जैसी तमाम चीजें शामिल हैं। आप इन चीजों को धोकर खा सकते हैं या इनका जूस, स्मूदी और शेक बनाकर पी सकते हैं। इसके अलावा तुलसी की पत्तियों का पानी, जौ का पानी, बटरमिल्क, आइस ग्रीन टी और नींबू पानी भी आपको बड़ी राहत देगा।

हंसना मना है

टीचर क्लास में सबका होमवर्क चेक कर रहे थे, टीचर : तुमने होम वर्क क्यों नहीं किया? चिंटू : सर, इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। आपने मुझे वर्क दिया ही कहां था। टीचर- क्यों? होमवर्क दिया तो था। चिंटू -अरे सर, मैं होम वर्क कर ही नहीं सकता क्यूंकि मैं तो हॉस्टल में रहता हूं।

सोनू और मोनू आपस में बात कर रहे थे, सोनू: अच्छा, तुझे पता है निमंत्रण और आमंत्रण में कितना अंतर होता है? मोनू: यह तो बहुत ही आसान है। संजू: तो बताओ न? मोनू: देख भाई, आम के पेड़ के नीचे जो मंत्रणा की जाती हैं वो आमंत्रण है और जो नीम के पेड़ के नीचे की जाए निमंत्रण है।

रिंकी : कबूतर जा जा जा। कबूतर जा जा जा पहले प्यार की पहली चिट्ठी साजन को दे आ..। कबूतर: आत्मनिर्भर बनो दीदी तुम तो पापा की परी हो खुद उड़ कर दे आओ..।

आलिया और रणवीर दोनों छत पर बैठकर बात कर रहे थे.। रणवीर: आलिया, कोई मजेदार बात सुना ना । आलिया: पता है बचपन में मैं छत से नीचे गिर गयी थी रणवीर – क्या.? फिर तू बच गयी या मर गयी थी.? आलिया: मुझे क्या पता यार मैं तो बहुत छोटी थी.। रणवीर: ओह हॉ,,,, मैं तो भूल ही गया था।

कहानी — सबसे प्यारे आप

एक बार बादशाह अकबर किसी बात पर अपनी बेगम से नाराज हो गये। उन्होंने बेगम से कहा, तुम अपने पीहर चली जाओ। फिर मुझे कभी अपनी शक्ल मत दिखाना। बेगम घबरा गयी। उन्होंने फौरन बीरबल को बुलवाया और उन्हें पूरी बात बतायी। पूरी बात सुनकर बीरबल ने उन्हें एक राय दी और खामोशी से दरबार में पहुंच गये। तत्पश्चात् बेगम बादशाह से मिलने महल में गयी। बादशाह ने उन्हें देखकर मुंह फेर लिया। बेगम ने कहा, जहांपनाह, आप को छोड़कर जाना मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा है। मगर आपका हुक्म है, इसलिए मुझे जाना ही पड़ेगा। मुझे तो अपना बाकी जीवन आपकी सेवा में ही बिताना था परन्तु अब क्या हो सकता है? अकबर ने उनकी ओर बिना देखे ही कहा, झूठी खुशामद मत करो, जो कुछ कहना है, झटपट कह कर चली जाओ। बेगम ने कहा, देखिए अब तो मैं हमेशा के लिए अपने पीहर चली जाऊंगी। मेरी इच्छा है कि आज रात को आप मेरे महल में भोजन के लिए पधारें और मेरी एक सबसे प्रिय चीज मुझे अपने साथ ले जाने की अनुमति दें। आपकी यादस्वरूप उस चीज को देखते हुए मैं अपना बाकी जीवन बिता लूंगी। बादशाह ने महल में आने और जाते समय अपनी सबसे प्यारी चीज ले जाने की इजाजत दे दी। रात को अकबर बेगम के महल में पहुंचे तो बेगम ने उन्हें मनपसन्द भोजन करवाया और अन्त एक पान खिलाया। पान में बेहोशी की दवा थी। इसलिए बादशाह अकबर पलंग पर लेटते ही बेहोश होकर सो गये। दूसरे दिन सुबह जब बादशाह सोकर उठे तो उन्हें आस-पास सब कुछ नया-सा लगा। बेगम पलंग के पास बैठी हैं। बादशाह अकबर कुछ कहते, इससे पहले ही बेगम बोली, माफ करें जहांपनाह! मेरी सबसे अधिक प्रिय चीज मुझे अपने साथ ले आने की स्वीकृति आपने ही दी थी। मेरी सबसे अधिक प्रिय चीज आप हैं। इसलिए मैं आपको लेकर अपने पीहर आ गयी हूं। बेगम की यह बात सुनकर अकबर को बहुत खुशी हुई। उनका गुस्सा पलक झपकते ही शान्त हो गया और बेगम को साथ लेकर अपने राजमहल लौट आये।

शिक्षा : प्यार घृणा को जीत सकता है। अवांछनीय कार्यों के प्रति शांतिपूर्ण व्यवहार अच्छा परिणाम दे सकता है।

10 अंतर खोजें

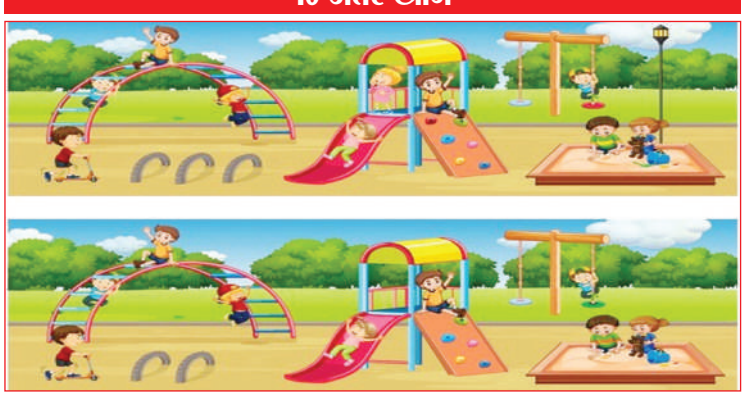

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका मन उत्साहित रहेगा। पार्टनर से मिलने के लिए बेताब रहेंगे। अविवाहित लोग प्रेमी को समय देंगे। पति-पत्नी के बीच प्यार रहेगा। आज पार्टनर से बहस करने से बचें।

वृषभ

प्रेमी के साथ मन मुटाव हो सकता है। अपनी भावनाएं किसी पर ना थोपें। प्रेमी के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। आपसे ज्यादा उम्र का कोई व्यक्ति आपकी ओर अट्रैक्ट हो सकता है।

मिथुन

इमोशनल होने से कई छोटे मुद्दे तूल पकड़ सकते हैं। प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे।

कर्क

आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। शाम को प्रेमी के साथ समय बिताएंगे। पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं।

सिंह

आज नए रिश्ते में व्यस्त रहेंगे। आज पार्टनर आपको प्यार का इजहार कर सकता है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप सफल हो सकती है। प्रेमी से कोई उपहार मिल सकता है।

कन्या

पार्टनर की तरफ से आज आपको खूब प्यार मिल सकता है। प्रेमी के मन का ख्याल रखें। किसी बात को लेकर पार्टनर से झगड़ा हो सकता है। बाहर घूमने का प्लान बन सकता है।

तुला

अविवाहित लोगों को शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है। पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की और आप आकर्षित हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज आप किसी दोस्त को प्रेमी के नजरिए से देख सकते हैं। आज से शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। पार्टनर के साथ समय बिताएंगे। अपनी भावनाएं पार्टनर पर ना थोपें।

धनु

आज के दिन आप खुश रहेंगे। पार्टनर से अच्छी खबर मिल सकती है। पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है। प्रेमी से अपने संबंधों को लेकर गंभीर बात कर सकते हैं।

मकर

आप जितना सहज और सच्चे रहेंगे उतना ही लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे। प्रेमी से अपनी बात मनवाने की कोशिश ना करें। इस सप्ताह अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

कुम्भ

आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। कुंभ राशि के जातक किसी दोस्त की तरफ आकर्षित होंगे। जो लोग किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उन्हें आज सफलता मिल सकती है।

मीन

काम के सिलसिले में आप बाहर जा सकते हैं। अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। पति-पत्नि के बीच मन-मुटाव हो सकता है। नई रिश्तों को बनाने से पहले गंभीरता से विचार करें।

बालीवुड | मन की बात

शाहरुख की फिल्मों ने दिए खराब आइडिया : अनन्या

अनन्या पांडे इन दिनों अपनी फिल्म गहराइयां को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म प्यार और रिश्ते में बेवफाई को बयां करती हैं। अब अनन्या पांडे ने निजी जिंदगी में रिश्ते और प्यार को लेकर बड़ी बात की है। उन्होंने कहा रोमांटिक रिलेशनशिप को लेकर उनकी सोच समय के अनुसार बदलती चलगी गई है। इतना ही अनन्या पांडे ने शाहरुख खान की रोमांटिक फिल्मों को लेकर भी बड़ी बात कही है। किंग खान की रोमांटिक फिल्मों ने उन्हें रिश्तों के लेकर गलत सोच दी है। शाहरुख खान की बेटी सुहाना की बेस्ट फ्रेंड अनन्या ने हाल ही में अंग्रेजी वेबसाइट बॉलीवुड लाइफ से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने फिल्म गहराइयां और निजी जिंदगी में रोमांटिक रिलेशनशिप को लेकर भी लंबी बात की। अनन्या पांडे ने कहा है कि उन्हें शाह रुख खान की फिल्मों ने रिलेशनशिप को लेकर गलत आइडिया दिए हैं।

अभिनेत्री ने कहा, जब मैं बड़ी हो रही थी तो मैंने शाह रुख खान की बहुत सारी फिल्में देखती थी, और मैं अपनी जिंदगी में उनकी तरह एक आदर्श इंसान चाहती थी जो मेरे प्यार में पागल हो और मुझे प्यार भरी निगाहों से देखे। कुछ समय बाद मुझे एहसास हुआ कि प्यार बातचीत और दोस्ती से भी बढ़कर होता है। अनन्या पांडे ने बताया कि कैसे नई जनरेशन एक पार्टनर से दूसरे पार्टनर की ओर चली जाती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब लोगों के पास ज्यातर लोगों से मिलने की सुविधा है।

ऋतिक रोशन और सबा आजाद के हर तरफ रिलेशनशिप के चर्चे

ऋतिक रोशन और सबा आजाद के रिलेशनशिप के चर्चे हर जगह छाए हुए हैं। दोनों अक्सर ही एक दूसरे के साथ कभी डिनर डेट पर नजर आते हैं तो कभी साथ लंच एन्जॉय करते दिखते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऋतिक रोशन और सबा आजाद पहली बार कब और कैसे मिले थे? आपको जानकर शायद हैरानी हो, लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो ऋतिक और सबा की दोस्ती सोशल मीडिया से शुरू हुई है। है ना ये कमाल की बात। दरअसल, पहले ऐसी खबरें थीं कि ऋतिक रोशन और सबा आजाद एक ऑनलाइन डेटिंग ऐप पर मिले थे। लेकिन नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों की दोस्ती की शुरुआत ट्विटर से हुई है। एक रिपोर्ट की मानें तो ऋतिक रोशन और सबा पिछले 2-3 महीनों से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि ऋतिक ने जब ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें सबा और एक रैपर थे, उसी के बाद से दोनों की दोस्ती शुरू हुई। सबा ने ऋतिक को उनके एप्रिसिएशन के लिए थैंक्यू बोला था और इस तरह से डीएम के जरिए दोनों की बातचीत शुरू हो गई। एक दूसरे सूत्र ने बताया, दूसरे लोगों की तरह वो छिपा नहीं रहे हैं और ये सरहानीय है। हर किसी को खुश रहने का हक है। लोग सबा को जज कर रहे हैं और भाग्यशाली बता रहे हैं। लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि दोनों स्टार ही समझदार हैं।

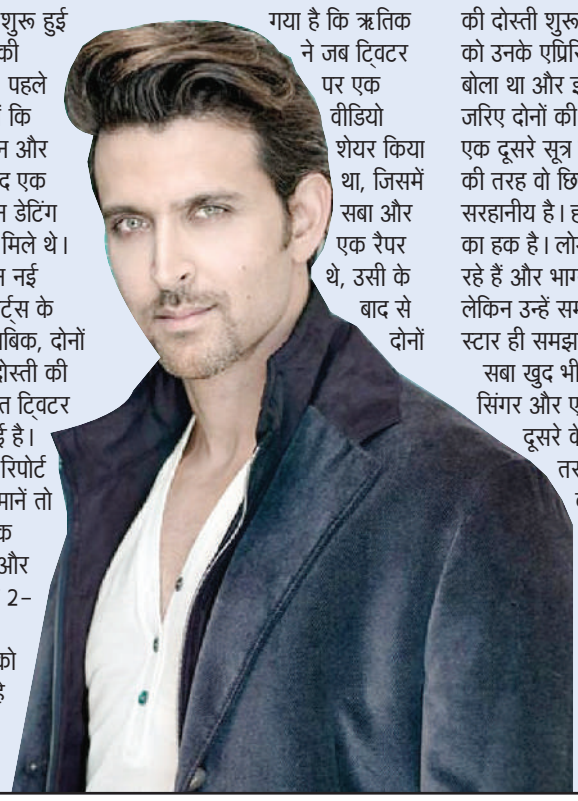

सबा खुद भी एक बहुत अच्छी सिंगर और एक्ट्रेस हैं और दोनों एक दूसरे के साथ बहुत अच्छी तरह से मिलते हैं। सबा की शानदार पर्सनैलिटी है। वह मजाकिया हैं, स्मार्ट हैं। वो दिल से बच्चों की तरह हैं और दोनों की जीवन के प्रति एक समान अप्रोच है। शायद यही बात उन्हें एक दूसरे से बांधती है।

पूजा बनर्जी ने कुमकुम भाग्य को कहा अलविदा

पूजा बनर्जी प्रेग्नेंट हैं। पूजा जल्द ही अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं। डिलीवरी से पहले पूजा बनर्जी ने टीवी के मोस्ट फेमस शो कुमकुम भाग्य को अलविदा कह दिया है। पूजा के किरदार को शो में काफी पसंद किया गया है। उनके शो छोड़ने की खबर से एक्ट्रेस के फैंस निराश हैं, लेकिन उनके बेबी के जन्म को लेकर फैंस अभी से खुशियां भी मना रहे हैं। पूजा बनर्जी अपनी प्रेग्नेंसी के आखिरी महीने में हैं। ऐसे में उन्होंने शो को अलविदा कहना ही बेहतर समझा। पूजा अब अपने बेबी के इस दुनिया में आने का इंतजार कर रही हैं। अपने लिटिल मंचकिन की पहली झलक देखने के लिए एक्ट्रेस बेकरार हैं। पूजा बनर्जी ने 21 फरवरी को अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की। उन्हें शूट के आखिरी दिन शो की टीम से खास सरप्राइज भी मिला। कुमकुम भाग्य की टीम ने पूजा के लिए ग्रैंड सरप्राइज पार्टी प्लान की थी। पूजा ने फैंस संग फेयरवेल पार्टी का वीडियो शेयर किया है और साथ में एक लंबा नोट लिखकर पूरी टीम को उन्हें इतना प्यार देने और सपोर्ट करने के लिए थैंक्यू कहा है। पूजा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उनकी पूरी टीम ने उनका काफी अच्छे से ख्याल रखा है और उन्हें बहुत प्यार दिया।

अजब-गजब | जानिए इसके पीछे की सच्चाई

बीन की धुन सुनते ही क्यों नाचने लगते हैं सांप?

दुनिया भर में सांपों की हजारों प्रजातियां पाई जाती हैं। कई प्रजाति के सांप जहरीले भी होते हैं और कुछ ऐसे होते हैं जिनमें जहर नहीं होता है। सांप दुनिया के लगभग हर देश में पाए जाते हैं। सांप स्वभाव से बेहद शर्मीले जीव होते हैं, लेकिन फिर भी इन्हें देखकर ज्यादातर लोग डर जाते हैं। सांपों की दुनिया रहस्यों से भरी हुई है। सांप अपनी मणियों के लिए भी जाने जाते हैं। ऐसा सांप लाखों में कोई एक होता है जिसके पास मणि होती है।

सांप को लेकर भारत में अपनी विशेष धार्मिक मान्यताएं भी हैं। सनातन धर्म में सांप का विशेष महत्व है। सांप हिंदुओं के देवता भगवान शंकर के गले का आभूषण है। सांप को लेकर कई कहानियां कही जाती हैं। आज हम सांप से जुड़े हुए एक ऐसे ही तथ्य के बारे में जानेंगे। ऐसा कहा जाता है कि सांप बीन की धुन को सुनकर नाचने लगते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि सांप को बीन की धुन काफी पसंद होती है, लेकिन सांप पूरी तरीके से बहरा होता है। जी हां, सांप किसी भी आवाज को सुन नहीं सकता है। आपने सांप को देखते हुए गौर किया होगा कि सांप के शरीर पर कान नहीं होते हैं। दरअसल सांप कभी बीन की धुन पर नाचता ही नहीं है, बल्कि जब सपेरा बीन बजाते समय बीन को हिलाता है। सांप उसे देखकर अपने शरीर को हिलाता है जो एक सामान्य घटना है। आपने कभी गौर किया होगा कि सपेरे की बीन के ऊपर ढेर सारे कांच के टुकड़े लगाए जाते हैं। इसके पीछे की वजह ये है कि जब उन कांच के टुकड़ों पर धूप या कोई रोशनी पड़ती है तो उससे निकलने वाली चमक से सांप हरकत में आ जाता है। अब ऐसे में जब सपेरा अपनी बीन बजाते हुए हिलाता है तो सांप का ध्यान उस रोशनी पर जाता है। सांप उस रोशनी को फॉलो करता है और रोशनी की चमक जिधर जाती है, सांप भी उसी ओर हिलने लगता है। ऐसे में हमें लगता है कि सांप बीन की धुन पर नाच रहा है जबकि ऐसा नहीं होता है। दरअसल सांप कानों के स्थान पर किसी भी गतिविधि को भांपने के लिए अपनी त्वचा का इस्तेमाल करते हैं। सांप अपने आस-पास होने वाली किसी भी गतिविधियों को अपनी त्वचा पर पड़ने वाली तरंगों के माध्यम से पहचान लेते हैं। ऐसे में जब सांपों को किसी खतरे का आभास होता है तो वो अपने फन को फैला लेते हैं। जब कोई सांपों को छेड़ता है तो उन्हें इसका आभास अपनी त्वचा से हो जाता है।

दुनिया की सबसे छोटी लेखिका 5 साल की उम्र में लिख दी किताब

अपना हुनर दिखाने के लिए कोई उम्र की सीमा तय नहीं होती है। एक छोटा बच्चा भी अपने हुनर से दुनिया को हैरान कर सकता है। दुनिया में ऐसे कई उदाहरण देखने और सुनने को मिल जाएंगे जिनमें छोटी सी उम्र में ही बच्चे गीत-संगीत, अभिनय, नृत्य कला, लेखन आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हैं। अब इसी कड़ी में एक और बच्ची का नाम जुड़ गया है। इस बच्ची ने एक ऐसे क्षेत्र को चुना है जिसमें माना जाता है कि उसके लिए बहुत ज्यादा अध्ययन और अनुभव की जरूरत होती है। इस बच्ची ने छोटी सी उम्र में इन सब बातों को गलत साबित कर दिया है।,दरअसल, इस बच्ची ने मात्र 5 साल में ही किताब लिख कर लेखन के क्षेत्र में अपना पहला कदम रख दिया है। इसके साथ ही ये भी बता दिया कि किताब लिखने के लिए ऊंची पढ़ाई और अनुभव की नहीं ,बल्कि लिखने की कल्पना और नजरिए की जरूरत होती है। इस बच्ची का नाम बेला जे डार्क है। इसने किंडरगार्टेन में पढ़ते हुए दुनिया के सबसे कम उम्र की लेखिका होने का खिताब अपने नाम किया है। बेला ने पिछले साल ही एक किताब लिखी और इसके बारे में अपने माता-पिता को बताया। हालांकि बेला के माता-पिता ने उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब उन्होंने बेला की लिखी किताब देखी तो बच्ची की क्रिएटिविटी और उसके नजरिए को देखकर हैरान रह गए। बेला की मां चेल्सी सायमे और पिता माइल्स डार्क अपनी बेटी की प्रतिभा को देखकर काफी हैरान और गर्व महसूस कर रहे हैं। बेला के माता-पिता के अनुसार, ये एक बच्चे की कहानी से प्रेरित है और इससे काफी कुछ सीखा जा सकता है। बेला ने जो कहानी लिखी थी वो एक खोई हुई बिल्ली की थी। इस किताब का नाम "The Lost Cat" है। कहानी में बताया गया है कि बिल्ली को अपनी मां के बिना ही बाहर चली जाती है और खो जाती है। कहानी बेहद भावुक भी करने वाली है, क्योंकि इसमें जीवन में मां की क्या भूमिका होती है, उसे भी शब्दों के माध्यम से बताया गया है। बेला की मां के अनुसार, वे किसी बुक फेयर में गए थे वहां एक किताब पब्लिश करने वाली एजेंसी ने इस कहानी को प्रकाशित करने में रुचि दिखाई।

भाजपा सरकार में बढ़ी महंगाई और भ्रष्टाचार : केजरीवाल

» केवल कागजों पर दिखाये जा रहे सड़क और बिजली के काम

» आप की सरकार बनी तो दिल्ली मॉडल पर करेंगे विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बस्ती। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को बस्ती के रुधौली में आयोजित जनसभा में भाजपा समेत सभी दलों पर खूब घेरा। उन्होंने कहा कि यूपी में पिछले पांच वर्षों तक भाजपा की सरकार रही और आज जब चुनाव आया है तो प्रधानमंत्री मोदी व सीएम योगी समेत भाजपा के तमाम पदाधिकारी अपने कामों को न गिनाकर अरविंद केजरीवाल को आतंकवादी घोषित कर रहे हैं, यह इनकी मानसिकता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश में महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ा है। सड़क और बिजली के कामों को केवल कागजों पर दिखाया गया है। आज दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने सड़क, स्कूल एवं अस्पतालों पर जबरदस्त काम किया है जिसका परिणाम यह है कि आज दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों से लगभग तीन लाख से अधिक छात्र निकलकर सरकारी स्कूलों में एडमिशन ले रहे हैं। यदि उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है तो दिल्ली की तर्ज पर यहां के स्कूलों, अस्पतालों, सड़क, पानी और बिजली की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार पिछले पांच सालों से यहां की जनता के लिए श्मशान घाट व कब्रिस्तान बनवा रही है अगर जनता को श्मशान घाट और कब्रिस्तान से फुर्सत मिल गई हो तो वह अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों, अस्पताल व सड़क बिजली पानी इत्यादि को बेहतर बनाने के लिए आम आदमी पार्टी पर भरोसा करें। आज आम आदमी पार्टी की नकल करते हुए उत्तर प्रदेश के चुनाव में सपा व कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों ने फ्री बिजली देने की घोषणा की है। उत्तर प्रदेश सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कहा कि यदि नकल करनी है तो केजरीवाल के कामों की करो। उत्तर प्रदेश में चुनाव तो विकास के मुद्दों पर लड़ा जाता है लेकिन, जब टिकट के बंटवारे व जनता से वोट लेने की बात आती है तो जनता को जाति धर्म और मजहब के नाम पर भड़काया-बांटा जाता है।

दस मार्च को फेल हो जाएगा बीजेपी का एक इंजन : पायलट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» यूपी में अकेले कांग्रेस ने भाजपा के कुशासन के खिलाफ लड़ी लड़ाई

बाराबंकी। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने जैदपुर कस्बे में कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस समय विकास की बात नहीं हिंदू-मुस्लिम व मंदिर की बात करते हैं। बार-बार डबल इंजन की सरकार होने की बात भी कहते नहीं थकते मगर उनका एक इंजन 10 मार्च को लखनऊ में फेल हो जाएगा और दूसरा 2024 में दिल्ली में।

उन्होंने कहा कि पंजाब और उत्तराखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा से पीछा छुड़ाना चाहती है। धरातल पर यहां कोई काम नहीं हुआ है। राष्ट्रवाद की बात भाजपा करती है लेकिन इनके शासनकाल में निजीकरण को बढ़ावा मिला। कुछ दोस्तों को संपत्तियां दी जा रही हैं। उन्होंने जाति-धर्म से ऊपर उठकर छोटे भाई तनुज के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया। उन्होंने सपा और बसपा सहित अन्य दलों को मौका परस्त बताया। उन्होंने कहा, पिछले 35 वर्ष से अन्य दलों ने शासन किया लेकिन भाजपा के कुशासन के खिलाफ कोई आगे नहीं आया। कांग्रेसी भाजपा के कुशासन से लड़ती रही है। प्रियंका गांधी वाड्रा हर मुद्दे पर जनता की आवाज बनीं और भाजपा की नींव हिलाने का काम किया। चुनाव के समय एकजुट होने की जरूरत है। कांग्रेस जनता के सामने बेहतर विकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री यूपी में इसलिए घूम रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि यहां का इंजन फेल होने के बाद उनका नंबर आने वाला है।

आजमगढ़ में भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद, सात गिरफ्तार

» पांच तस्कर फरार, जहरीली शराब से कई लोगों की हो चुकी है मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। अहरौला थाना क्षेत्र के रुपाईपुर गांव में मंगलवार की देर रात पुलिस ने दवा कारोबारी के मकान में संचालित अवैध शराब फैक्ट्री का राजफाश किया है। मकान से भारी मात्रा में शराब की बरामदगी के साथ सात तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पांच तस्कर भागने में सफल हो गए, जबकि सात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

माहुल में शराब से हुई पांच मौत और दर्जनों के बीमार पड़ने की घटना के बाद पुलिस सक्रिय हो गई हैं। तस्करी का सिंडिकेट खत्म करने के लिए पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने क्राइम ब्रांच को लगाया है। क्राइम ब्रांच एवं अहरौला थाना पुलिस ने रुपाई पुर गांव स्थित मोहम्मद फहीम पुत्र मोहम्मद सईद के घर पर छापेमारी की। पुलिस अधीक्षक ने बताया मोहम्मद फहीम अपने भाइयों के साथ मिलकर अवैध शराब फैक्ट्री का संचालन कर था। मोहम्मद फहीम के घर के निचले हिस्से से 15 पेटी अवैध शराब, छत पर कमरे से दो पेटी, मारुति वैन से पांच पेटी, आटो रिक्शा से तीन पेटी शराब बरामद हुई है। इसके अलावा छह ड्रम लहन, भारी संख्या में रैपर , पैकिंग मशीन, 15 पेटी ओनरेक्स सीरप दवा, 20 हजार खाली बोतलें विभिन्न प्रकार के फ्लेवर्स की बोतलें,10 हजार फर्जी बारकोड, वैन, आटो रिक्शा, मोटरसाइकिल एवं एक स्कूटी बरामद हुई है। एसपी ने बताया 30 लाख से ऊपर की बरामदगी हुई है। सात अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जबकि फरार पांच अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए उनके ऊपर 25- 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

बदायूं में महिला की हत्या से सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। जनपद के फैजगंज थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में शराब के नशे में एक व्यक्ति ने घर में ही फावड़े से काटकर पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। यह वारदात आज भोर चार बजे की है।

भगवान दास मंगलवार शाम को शराब पीकर आया था, इसको लेकर उसकी पत्नी राजकली से झगड़ा हुआ था। शाम को तो सभी सो गए लेकिन भोर में चार बजे फिर झगड़ा शुरू हो गया। चीख-पुकार सुनकर बाहर सो रहे लड़कों ने खिड़की तोड़ने का प्रयास किया। इस बीच भगवान दास ने फावड़ा मारकर राजकली को मौत के घाट उतार दिया। उसके लड़के कौशल ने पुलिस को फोन करके बुला लिया। आरोपी को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के पुत्र कौशल ने पिता के खिलाफ मां की हत्या की तहरीर दी है।

बसपा की सरकार बनी तो गुंडे माफिया होंगे जेल में : मायावती

» किसानों पर दर्ज मुकदमे होंगे वापस, भाजपा जातिवादी पार्टी

» नौकरियां न होने के कारण प्रदेश से हो रहा है पलायन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। बसपा सुप्रीमो मायावती ने दलितों, आदिवासियों एवं पिछड़े वर्ग की समस्याओं के लिए कांग्रेस की सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए सपा एवं भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दोनों दल एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। उनकी सरकार बनने पर आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे जांच कराकर वापस लिए जाएंगे और गुंडा माफिया जेल में होंगे।

पयागपुर में आयोजित जनसभा में उन्होंने कहा कि केंद्र एवं देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस की सरकारें जबरदस्त जातिवादी, दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में दंगाइयों और गुंडों का बोलबाला रहा। सपा एक विशेष क्षेत्र और विशेष समुदाय के लिए काम करती है। सपा सरकार में दंगों के चलते तनाव की स्थिति रहती है। उन्होंने हमारे महापुरुषों के नाम पर बनी शैक्षिक संस्थाओं एवं जिलों के नाम बदल दिए। भाजपा ने भी न्याय नहीं दिया। भाजपा जातिवादी और आरएसएस के इशारे पर चलने वाली पार्टी है। इसने दलितों, पिछड़ों और मुस्लिमों के लिए चलाई गई योजनाओं को बंद कर दिया।

भाजपा सरकार में नहीं हुआ एक भी दंगा : नड्डा

» सत्ता में बैठने नहीं बदलने आए हैं देश की तस्वीर

» दंगा और पलायन को लेकर सपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि हम सत्ता में बैठने के लिए नहीं, बल्कि देश की तकदीर और तस्वीर बदलने आए हैं। हमने न केवल सिंचाई के साधन, बिजली, पानी, मेडिकल कॉलेज स्थापित किए, बल्कि पीएम मोदी ने समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि अखिलेश सरकार में प्रदेश में 200 दंगे हुए मगर पिछले 5 सालों में न केवल मुजफ्फरनगर और कैराना से पलायन रुका बल्कि प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ, क्योंकि हमारी सोच साफ है, हमारा नेता ईमानदार और दमदार है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा कर वहां देश के सभी कानून लागू कराए। तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाया। आतंकियों से निपटने के लिए यूपी में एंटी टेररिस्ट कमांडो ट्रेनिंग सेंटर स्थापित होंगे।

पश्चिम में हो गया खेला, अवध में उम्मीदें

» 12वीं पास कर इंटर में पहुंच गए शाह तो पढ़े लिखे तो हैं ही

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अखिलेश यादव अच्छे गेंदबाज नहीं हैं। उनके अलावा कई भाजपा नेताओं के बयान भी हैरानी भरे हैं। अमित शाह ज्यादा पढ़े लिखे हैं बारहवीं पास कर इंटर में पहुंच गए तो जाहिर सी बात है कि उनकी शिक्षा प्रणाली अलग है। बैटिंग तो जनता कर रही है इस बार। ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अरुणा सिंह, जयशंकर गुप्ता, अमित मिश्रा, लेखक सीपी राय और वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक मिश्रा के साथ एक लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अरुणा सिंह ने कहा कि बीजेपी को उम्मीद थी कि पश्चिम में संभाल लेंगे, मगर खेला हो गया। अब अवध में उम्मीदें हैं। फिलहाल कहना जल्दबाजी होगी मगर ये तो चौथे चरण के मतदान के बाद पता चल ही जाएगा क्या स्थिति है बीजेपी की। इनकी भाषा जिस तरह बिगड़ी है अभी और बिगड़ेगी। दस मार्च को जनता देगी भाजपा के स्तर का जवाब क्या सही है क्या गलत। सीपी राय कहते हैं कि इस चुनाव में भाजपा की हालत ठीक नहीं है। बाराबंकी में योगी की सभा में सांड़ छोड़ दिए गए, भगदड़ मच गई। मोदी-शाह की रैलियों में कुर्सियां खाली हैं। मोहन भागवत ने दो चरणों के बाद बयान दिया कि डब्बा गोल हो गया, इसलिए जागो और भाजपा को जिताओ।

जयशंकर गुप्ता ने कहा बहुत गजब है ये चुनाव। मोदीजी का नारा है कांग्रेस मुक्त भारत मगर अब भाजपा वाले ही भाजपा मुक्त भारत का समर्थन बंद मुंह से करने लगे हैं और जब दस मार्च को ईवीएम की मशीनें खुलेगी तो क्या होगा। फिलहाल इस चुनाव में बीजेपी के लिए राह आसान नहीं है पांच राज्यों में। अमित मिश्रा बोले पिछले बार सबसे ज्यादा सीटें जीती थी भाजपा ने हरदोई में मगर इस बार दो-तीन में सिमट जाएगी। दिल्ली- बंगाल का चुनाव याद करें। ठीक वैसे ही यूपी चुनाव में भाजपा को मात खानी पड़ेगी।

फोटो: सुमित कुमार

लोकतंत्र के पर्व में बढ़-चढ़कर किया मतदान

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। यूपी चुनाव के चौथे चरण में नौ जिलों की 59 विधानसभा सीटों पर मतदान जारी है। मतदाता सुबह से ही मतदान केन्द्रों के बाहर लाइन लगाकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। योगी सरकार में मंत्री महेंद्र सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, एसीएस सूचना नवनीत सहगल, एसीएस गृह अवनीश अवस्थी व लोक गायिका मालिनी अवस्थी, सूचना निदेशक शिशिर व उनकी पत्नी डॉक्टर गरिमा सिंह, बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा, कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी, आरएलडी संयोजक अनुपम मिश्रा सहित अन्य वोटर्स ने मतदान केंद्र पहुंच अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह, नीरज तथा पुत्रवधू ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने फतेहपुर की जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र के सरांय धरमपुर प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 194 पर मतदान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा 350 सीटें जीतेंगी। वहीं लखनऊ के कई केंद्रों पर युवा मतदाताओं ने आएंगे तो योगी ही के नारे भी लगाए।

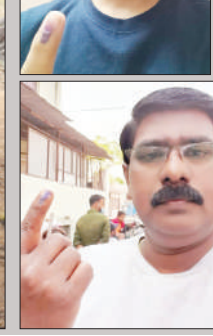

10 मार्च के बाद सब बदलेगा: मुनव्वर राना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में चौथे चरण के लिए आज वोटिंग हो रही है लेकिन कई लोगों का नाम वोटर लिस्ट से गायब होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। मशहूर शायर मुनव्वर राना का नाम वोटर लिस्ट से गायब है।

बताया जा रहा है कि इसके चलते वह लखनऊ में अपना वोट नहीं डाल पाए हैं।

मुनव्वर राना ने कहा कि मेरा वोटर लिस्ट में नाम नहीं है। इसलिए मैं वोट डालने नहीं जा पाऊंगा। राना लखनऊ के कैंट विधानसभा के वोटर हैं। मुनव्वर राना ने मौजूदा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जंगल में चिड़िया की हैसियत क्या है? इसी प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी एक शेर हैं। वो लगातार दहाड़ रहे हैं। ऐसे में हम जैसी चिड़ियाओं की आवाज कहां सुनाई देगी। राना ने कहा कि मैं तो कबूतर की तरह हूं, मेरी कौन सुनेगा।

भाजपा सरकार में ही गरीबों और वंचितों का हो सकता है भला: मोदी

भाजपा सरकार के काम को बताने के साथ ही सपा, बसपा तथा कांग्रेस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में चरणवार प्रचार कार्यक्रम को गति देने में लगे प्रधानमंत्री मोदी आज बाराबंकी पहुंचे। वहां दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के राम सनेही घाट में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान भाजपा सरकार के काम को बताने के साथ ही सपा, बसपा तथा कांग्रेस को घेरा।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा की सरकार ही गरीबों तथा वंचितों का भला कर सकती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा से पहले शासन करने वाले लोग घोर परिवारवादी लोग नहीं चाहते कि गरीबों का भला हो। उन्होंने कहा कि घोर परिवावादियों ने ना तो उत्तर प्रदेश के साथ इंसाफ किया और ना ही आगे कर पाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दशकों तक जिन घोर

परिवारवादियों की सरकार रही। उन्होंने प्रदेश के सामर्थ्य के साथ इंसाफ नहीं किया। इन घोर परिवारवादियों ने यूपी के लोगों को कभी भी खुलकर अवसर ही नहीं दिया। पीएम मोदी ने इस सभा से बाराबंकी के साथ ही अयोध्या तथा पास के अन्य जिलों पर भी असर डाला। उनकी सभा में कई विधानसभा सीटों के उम्मीदवार के साथ कार्यकर्ता भी एकत्र होंगे। प्रधानमंत्री मोदी पूर्वांचल का द्वार कहे जाने वाले बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट में बाराबंकी व अयोध्या संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इनका जनसभा स्थल दरियाबाद विधानसभा के भिटरिया-हैदरगढ़ मार्ग पर दयारामपुरवा गांव था। 2017 के विधान सभा चुनाव के दौरान बाराबंकी में प्रधानमंत्री मोदी की रैली हुई थी, जिसके बाद यहां की छह में से पांच सीटें भाजपा को मिली थीं। इसमें भी दरियाबाद से सतीश चंद्र शर्मा ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 50 हजार से अधिक वोट से शिकस्त दी थी, जो जिले की सबसे बड़ी जीत थी।

वित्तीय फाइलों को लेकर राज्यपाल और ममता में फिर ठनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल सरकार और राजभवन के बीच जारी टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने अब अपने पास मंजूरी के लिए आईं वित्तीय मामलों से संबंधित फाइलों को राज्य सरकार को लौटा दिया है। उन्होंने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है।

उन्होंने कहा कि संवैधानिक रूप से विधानसभा बुलाए जाने के बाद ही इन्हें मंजूर किया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि वित्तीय मामलों पर तभी बात की जाएगी, जब राज्य मंत्रिमंडल विधानसभा बुलाने का निर्णय लेगा और इसकी अधिसूचना गजट में प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने 21 जनवरी 2022 को जारी किए गए नोट के अनुपालन के लिए भी कहा है। इस नोट में राज्य के फंड के बारे में जानकारी मांगी गई थी। इससे पहले राज्यपाल ने बिना कैबिनेट मंजूरी के सात से सत्र बुलाने के लिए राज्य सरकार द्वारा भेजी गई फाइल भी संसदीय कार्य विभाग को लौटा दिया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।